दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 97
मुरादाबाद
27 July 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कारगिल विजय दिवस : सीएम योगी ने शहीदों को अर्पित की पुष्पांजलि, बोले- ये दिन हमारी सेना के शौर्य का प्रतीक

कारगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर लखनऊ की कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी

और उनके परिजनों को सम्मानित किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत

सीएम योगी ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहले सत्र का किया शुभारंभ, बोले- पहले प्रदेश में था अराजकता का माहौल

की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया।कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी। उस समय पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अमेरिका गए और भारत पर दबाव डालने की कोशिश पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा और अंत में पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा और घुसपैठियों को भागना पड़ा। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के नए सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने बिना नाम लिए सपा पर निशाना साधा और कहा कि आठ साल पहले प्रदेश में अराजकता थी, जबकि उनकी सरकार में 1.45 लाख करोड़ का निवेश आया है। उन्नाव जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहले सत्र का बटन दबाकर शुभारंभ किया। उन्होंने नाम लिए बिना सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि आज से आठ साल पहले प्रदेश में अराजकता का माहौल रहता था। महिलाएं, व्यापारी कोई भी सुरक्षित नहीं था।इसके चलते प्रदेश में निवेश भी ठप हो गया था। इधर, भाजपा सरकार में पिछले आठ साल में 1.45 लाख करोड़ का निवेश आया है। इसमें 1.1 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि युवाओं को आधुनिकता और संस्कारयुक्त शिक्षा दें।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के ओबीसी वाले बयान पर हमलावर हुई भाजपा, कहा- उन्हें बहुत देर से समझ आता है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा ओबीसी वर्ग को लेकर दिए गए बयान पर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा और बीआरएस ने राहुल गांधी के बयान को लेकर निशाना साधा है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओबीसी वर्ग को लेकर बड़ा बयान दिया था। राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को जिस तरह से इस वर्ग के हितों की रक्षा करनी थी, वह कार्य उस प्रकार से नहीं हुआ। राहुल के इस बयान पर भाजपा समेत अन्य दलों ने निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल जी को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने इमरजेंसी के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी को हर संभव कुचलने का काम किया। उन्होंने राफेल मामले में भी माफी मांगी और अब राहुल गांधी जो कर रहे हैं, उसके लिए वह दस साल बाद फिर माफी मांगेंगे।

आतंकी संचार - नशे की समस्या से निपटने की तैयारी, राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में शाह ने दिए अहम निर्देश

गृह मंत्री ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद-अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की।गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जानी वाली एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुई चुनौतियों पर बात हुई। साथ ही भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन हुआ।आतंकवाद के वित्तपोषण से मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। गृह मंत्री ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद-अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पुलिस संगठनों द्वारा केवल स्वदेशी तकनीक का ही उपयोग किया जाए।सम्मेलन के दूसरे दिन नागरिक उड्डयन और बंदरगाह सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध, वामपंथी उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के मुद्दे पर केंद्रित होगा। इस बैठक में भाग लेने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में, केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल रहे। साल 2016 में डीजीएसपी और आईजीएसपी सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों के अनुभव के माध्यम से और क्षेत्र विशेषज्ञों के सहयोग से प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का समाधान खोजना था। प्रधानमंत्री के निर्देशों के तहत साल 2021 से सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जा रहा है।

लोकसभा में बेहतर काम के लिए मिला सम्मान, संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए रवि किशन समेत 17 सांसद

संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में हुई थी। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। इस बार 17 सांसदों को यह पुरस्कार दिया गया है। संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन, एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत समेत 17 सांसद शामिल हैं।वहीं तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इसमें ओडिशा से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं। संसदीय समिति को भी मिला सम्मान संसदीय समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्टों की गुणवत्ता तथा विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कांग्रेस की "पीडीए पाठशाला", अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर सपा नेताओं ने पीडीए पाठशाला शुरू कर दी है। इन पाठशाला में गांव को बच्चों को बुलाकर पढ़ाया गया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि पीडीए पाठशाला चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा।

अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं। उन्होंने पढ़े-लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है

कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें। इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट होकर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुनः खोला जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बुनियादी और प्राथमिक शिक्षा को खत्म करने की साजिश रच रही है ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा से दूर किया जा सके।

मायावती ने राहुल गांधी के बयान पर किया पलटवार, बोलीं- कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि ओबीसी के मामले में कांग्रेस और एनडीए विश्वासपात्र दल नहीं हैं। कांग्रेस के दिल में कुछ है और जुबान पर कुछ है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा।मायावती ने बयान दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक़ दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसाकि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी बनानी पड़ी है।कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आजादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है। इस प्रकार दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़ों के बहुजन समाज को सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक तौर पर गुलाम व लाचार बनाए रखने के मामलों में सभी जातिवादी पार्टियां हमेशा से एक ही थैली के चट्टे-बट्टे रहे हैं। जबकि अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी सदा ही इन वर्गों की सच्ची हितैषी रही है और यूपी में चार बार बसपा के नेतृत्व में रही सरकार में सर्वसमाज के गरीबों, मजलूमों के साथ-साथ बहुजन समाज के सभी लोगों के जानमाल व मजहब की सुरक्षा व सम्मान तथा इनके हित एवं कल्याण की भी पूरी गारंटी रही है। अर्थात् देश के बहुजनों का हित केवल बीएसपी की आयरन गारंटी में ही निहित है।

संपादकीय Editorial

Why no debate in Parliament?

There will be no debate on Special Intensive Revision (SIR) of Voter Lists in Parliament. This is a matter of Election Commission, not Government of India. Election Commission is a constitutional institution, hence Parliament cannot interfere in its actions and decisions. The Supreme Court is neither Parliament nor Supreme Court, but the Constitution. Government will not allow this wrong tradition to start in Parliament. In this way, the government has snatched an important issue from the opposition. Will the opposition sit quietly and let the proceedings of Parliament continue after this decision of Modi government? This situation is not so easy. Election Commission has made it clear by announcing that SIR will not be limited to Bihar, but will also be done in the states of West Bengal, Tamil Nadu, Kerala and Assam. Assembly elections are to be held in these states in 2026. Only Assam has BJP government. The remaining states have governments of opposition parties. They have become alert from now and want to make SIR a national issue, hence they are in favour of debate in Parliament, but the government wants to suppress this issue here itself. Its argument is that constitutional institutions cannot be dragged into Parliament. If such a tradition is started, it will be against the basic spirit of the Constitution, but the opposition is adamant. Its first demand was that the opposition wants answers from Prime Minister Modi on the issues of Pahalgam massacre, Operation Sindoor, ceasefire and US President Trump's claim 25 times that he stopped the war between India and Pakistan. The debate on this will take place on Monday and Tuesday and 16 hours each have been allotted to both the houses. The second important issue is that of SIR, because assembly elections are to be held in Bihar in 3-4 months. Anyway, three days of the monsoon session of Parliament have been washed away due to the uproar and sloganeering by the opposition. It is worth noting that Rs 2.5 lakh is spent on one minute of proceedings of Parliament. That means the expenditure per hour is Rs 1.5 crore. If the proceedings of the House last for an average of 8 hours, then Rs 12 crore will be spent. Assume an average expenditure of Rs 36 crore for three days. There are about 80 crore people in the country whose annual income is not even Rs 2.5 lakh. Nearly 60 percent of Indians are incapable of earning even Rs 2.5 lakh annually. We are not even talking about those living below the poverty line. There are many contradictions in their data. Two images of economic inequality are in front of the country. If our honorable MPs keep their daily allowance and salary safe and in the name of work they only create ruckus, noise and sloganeering in the House, then this will be an unjust and unequal treatment of the common citizens of the country. Why can't the formula of 'no work, no pay' be applied to MPs? Actually, no government has made this law. In the Lok Sabha, Speaker Om Birla even had to comment that you should not behave like a road in Parliament. The country is watching you. You are an elected MP. In the House itself, Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan pleads with folded hands and pleads with the opposition to let the problems of farmers be discussed. He should also raise issues related to farmers, but the opposition MPs went to the 'well' and waved black clothes. They even made statements that elections are stolen in India. Is the most sacred and dignified platform of Parliament meant for such politics? Now there will be no debate on SIR in Parliament, but on the other hand, Leader of Opposition in Bihar Assembly Tejashwi Yadav has threatened to boycott the elections. This is the situation when this matter is under consideration of the Supreme Court and its decision is yet to come.

India brings neighbours back on track, PM Modi's visit to Maldives is a strong expression of 'Neighbourhood First' policy

Prime Minister Narendra Modi will visit Maldives on 25 and 26 July where he will be the guest of honour at the 60th Independence Day celebrations. This is the first state visit during the reign of President Muizzu. India has provided development assistance of Rs 600 crore to Maldives and helped it in the economic crisis. Prime Minister Narendra Modi will be on an important visit to Maldives on 25 and 26 July. Modi is not only the guest of honour at the 60th Independence Day of this archipelago, which is considered strategically important, but is also the first foreign leader to make a state visit there during the reign of current President Mohammed Muizzu. On the basis of symbolic and concrete criteria, this is a milestone in India's 'Neighbour First' foreign policy, which can be considered an example of the mature diplomacy of the Modi government. It is not a coincidence that Muizzu, who once sang the anti-India tune, is today rolling out the red carpet to welcome Modi. This change is the result of a big power like India dealing with a small neighbouring country patiently and skilfully. At the beginning of Muizzu's tenure, his supporters made objectionable comments on India and presented India as a colonial power in Maldives, but India did not take any formal retaliatory action on such statements. Otherwise bilateral relations would have deteriorated further. Even amidst adverse signals from Maldives, India increased the development assistance amount of this neighbouring country from Rs 470 crore to Rs 600 crore. Apart from this, two types of currency exchange arrangements were also made, under which Rs 3,000 crore along with $40 crore were made available to Maldives. These provisions helped it in improving its shaky economic condition and reducing the burden of debt. India was the only country to rescue the suffering Maldives in times of crisis. Whereas China, which Muizzu admired, did not give him any concession. It is also a fact that Maldives' problems increased only because it got trapped in the trap of Chinese debt. Realising the pitiable condition of Maldives, India proved through its generosity that India is a big-hearted neighbour, who not only helps in natural disasters but also has the intention and capability to get rid of national crises. India had rescued Sri Lanka from similar circumstances in 2022. Sri Lanka, which was groaning under the burden of Chinese debt, was then provided emergency aid of about four billion dollars. As a result of this, today the ruling Janatha Vimukthi Peramuna in Sri Lanka, which was formerly an anti-India party, sees India as a close friend. Today the government there is not ready to be a part of Chinese conspiracies against India in the Indian Ocean. Such exercises may seem as if India is seeking loyalty towards itself in exchange for monetary aid or is defeating China in South Asia in the game of financial diplomacy. However, it is not only economic generosity that has made small countries like Maldives and Sri Lanka realise that India is indispensable for their future. In October 2024, India and Maldives presented the vision of 'Comprehensive Economic and Maritime Security Partnership' and under it, defence cooperation has expanded. Today, joint naval exercises, maritime domain awareness, training of Maldivian soldiers by India and providing ships to Maldives, etc. are actively continuing. Despite this, it cannot be ignored that in the name of domestic political factors and 'balanced foreign policy', India's smaller neighbours from time to time extend a hand of friendship to China or other external powers and India cannot block such tactics. All that is in India's hands is to pay sympathetic attention to smaller countries, avoid insulting these neighbours publicly and offer such options which are more reliable than China and are consultative rather than directive. It is not appropriate to trumpet the positive transformation of Muizzu as China's defeat and India's victory or to teach a lesson to Maldives or to take down its arrogance. Countries like China, Russia and Britain have overtaken India in tourism, a major source of livelihood for the people of Maldives. After Modi's visit to Maldives, India can once again become the top tourist destination in Maldives. People-to-people contact and cultural exchange through tourism only strengthen diplomatic relations. India's contribution in the field of education, health and even sports in Maldives is increasing and this is the real guarantee that whether the government changes or remains in power, India's influence will continue. Foreign policy cannot succeed on the basis of angry reactions or haste. In the context of neighboring countries, geography is not chosen, but it is predetermined. Therefore, India adopted a calm, restrained and sensitive attitude to maintain its influence and only then the situation in Maldives has changed in the last one and a half years. We should be proud of this achievement of the Modi government and should hope for similar sensible diplomacy in the future.

A humiliating decision, the High Court's decision on the Mumbai train blasts

The decision of the Bombay High Court is deeply painful and disappointing for the families of the 190 people killed in the blasts in local trains and for the more than 800 injured and their close ones. The government system is humiliating the people of the country. It is digging into their wounds. Shame on them. It would be better if those who are fighting over the decision of the High Court refrain from cheap and anti-national politics. It is very shocking, worrying and disappointing that the Bombay High Court acquitted all the 12 accused of carrying out the massive bomb blasts in seven local trains of Mumbai in 2006. While acquitting all of them, it also commented that the prosecution completely failed to prove the guilt. In a way, it put it in the dock, whereas the trial court had sentenced five of these 12 to death and seven to life imprisonment in 2015. It should also be kept in mind that this horrific terrorist incident was investigated by Maharashtra's Anti-Terrorism Squad (ATS). Even if we assume that the High Court's conclusion is correct, then what does it mean that it took so many years to give its verdict on the trial court's verdict. This is not just delay, but also injustice. If our judicial system moves forward at such a slow pace in the most serious cases of terrorism, then it cannot be claimed that India is dealing with terrorism strictly. This strictness is not seen in the judicial system. This has been happening in the past as well. How long will this continue? It has also been seen that it took a lot of time for the High Court to decide the verdicts of the lower courts and the Supreme Court to settle its verdicts. Even now, many big cases of terrorism are pending in the High Court and the Supreme Court. We cannot fight terrorism in this way. The world community can also raise the question that why are India's investigative agencies and judicial system not alert and active even in serious cases of terrorism? The sluggishness of the police, investigative agencies and the judicial process has already proved very costly. Terrorists and their sympathizers are directly benefiting from this lethargy. It was believed that this lethargy would go away with time, but prompt and correct investigation of terrorism cases and their timely judicial settlement still remains a distant dream. It is a matter of regret and shame that despite being a victim of terrorism, India does not seem to be effectively combating it at all levels. The decision of the Bombay High Court is deeply painful and disappointing for the relatives of about 190 people killed in the explosion in local trains and more than 800 injured and their close ones. The government system is insulting the people of the country. It is scratching their wounds. Shame on them. It would be better if those who are quarreling over the decision of the High Court refrain from cheap and anti-national politics. There are many leaders who do vote bank politics even in such cases.

Confusing language policy, double insult to Hindi and growing dominance of English

The real official language in India is English. For political reasons, a farce is being spread by calling Hindi the 'official language'. This is also the reason why Marathi, Tamil or other regional leaders keep attacking Hindi. Hindi is being insulted twice for no reason. In comparison, the language policy during the British Raj was relatively transparent and realistic. The language of governance was English but only for itself. The country's large education and culture sectors were autonomous. Indian intellectuals are busy fighting and entangled in any issue, indifferent to the concern for its solution. The same arguments have been heard for decades on many issues, but the situation of the issue remains the same or keeps worsening. Language policy is an example of this. Right now most of the controversy is centered on condemning the Thackeray brothers. Some time ago, more energy was spent in disgracing Tamil leader Stalin, while there has been indifference towards what India's language policy was made and what it became in the last eight decades. The Thackeray brothers recently came on the political stage. They have little influence in only one state, but what was there before that? The truth is that the language policy of independent India has been a rudderless boat from the beginning. Officially, Hindi is the 'official language', but in practice, only English has gained ground in every field. This is the result of policies that were not made by any non-Hindi leader. The gradual displacement of all Indian languages, including Hindi, by English is not the result of any Tamil or Marathi politics, but no one is thinking about it. From the time of the constitution, a lot has been decided under the direction of North Indian, mainly Hindi-speaking leaders, but the results of the language policy made by them have never been reviewed, for what purpose was it made and what were the results? It is useless to blame any one leader or party for the confusing language policy. The entire Indian leadership and intellectual class has been both the cause and victim of the confusion on the language policy. Also unable and unwilling to resolve it. Today, it can be seen even in small towns of the country that the language of progressive education, employment and business is English. Those who do not know English can also be working and administrators, but to a limited extent. Anyone who wishes to increase his intellectual and creative capacity, which is a natural human aspiration, will fail without proficiency in English. Even if an Indian knows only English and cannot write a single note in any Indian language, he will not have difficulty in progressing. This is not the case in any other important country of the world. In India, the real official language is English. A farce is being spread by calling Hindi the 'official language' for political reasons. This is also the reason why Marathi, Tamil or other regional leaders keep attacking Hindi. Hindi is unnecessarily insulted twice. In comparison, the language policy during the British Raj was relatively transparent and realistic. The language of governance was English, but only for itself. The large education and culture sectors of the country were autonomous. There was no government interference in it. Scholars of every subject decided the content and rules of its teaching.

मुठभेड़ में पंखिया गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार, एक घायल

मुरादाबाद- जिले में लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुख्यात पंखिया गैंग के तीन शातिर बदमाशों को सिविल लाइंस पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश के पैर में पुलिस की गोली लगी है। जबकि दो अन्य को घेराबंदी कर दबोचा गया। गैंग के दो सदस्य मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शाहजहांपुर के निगोही थाना क्षेत्र के बदमाशों का यह गिरोह मुरादाबाद, रामपुर समेत कई जिलों में अब तक 11 से अधिक लूट और चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। शुक्रवार तड़के लगभग 4 बजे पुलिस को सूचना मिली कि गैंग के सदस्य थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के अगवानपुर में चोरी की फिराक में हैं। इस पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की। मुठभेड़ के दौरान इशापुर निगोही शाहजहांपुर निवासी मंगल सिंह के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने घायल अवस्था में दबोच लिया।

उसके दो साथी कृष्ण कुमार उर्फ अंडू व अशोक कुमार को मौके से भागते समय पकड़ लिया गया। जबकि इनके दो साथी सुरेश निवासी व गिरधान निवासी रमपुरा थाना पंसगंवा जनपद लखीमपुर खीरी फरार हो गए। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस को एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा व दो खोखा कारतूस, दो अवैध चाकू, एक एसबीआई बैंक का चेक व एक हजार रुपए की पुरानी करेंसी, एक बैग जिसमें चोरी और लूट में प्रयुक्त उपकरण, 60,300 नकद और सफेद-पीली धातु के आभूषण व बिना नंबर प्लेट की अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एसपी सिटी ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना, थाना सिविल लाइंस, उपनिरीक्षक सुनील राठी (चौकी प्रभारी अगवानपुर), उपनिरीक्षक अनुज कुमार, मोहित शर्मा, हेड कांस्टेबल अंकुल कुमार, उदय प्रताप, अमित, सुशील मावी, कांस्टेबल टिंकू कुमार, कुलदीप कुमार, अकुश, राजेश कुमार।

सात हजार बच्चों के नहीं बने आधार कार्ड, योजनाओं के लाभ से वंचित

दो महीने पहले बीईओ को भेजी जा चुकी है आधार कार्ड बनवाने के लिए मशीन

मुरादाबाद- बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ने वाले 7 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं अब तक आधार कार्ड से वंचित हैं। कार्ड न बनने से योजनाओं का लाभ इन बच्चों को नहीं मिल रहा है। उनका शैक्षिक रिकॉर्ड अपडेट नहीं हो पा रहा है। जिससे इन्हें ड्रेस, पुस्तकें, छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बीएसए का कहना है किबीईओ को आधार कार्ड बनवाने के लिए मशीन दो महीने पहले उपलब्ध कराई जा चुकी है। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में पढ़ने वाले 7 हजार से अधिक बच्चों का आधार कार्ड न होने के कारण उनका डाटा ऑनलाइन फीड नहीं हो पा रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के न तो आधार कार्ड बने हैं और न ही अधिकांश के पास जन्म प्रमाण पत्र है। जिससे उन्हें सरकार से मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बड़ी संख्या में बच्चे बिना ड्रेस के स्कूल जा रहे हैं। बच्चों का आधार कार्ड न होने के कारण विभाग द्वारा संचालित कई योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। ड्रेस, जूते-मोजे और स्टेशनरी की आपूर्ति के लिए आधार लिंक बैंक खाता जरूरी है। जिससे डीबीटी के तहत खातों में राशि भेजने में भी दिक्कत हो रही है। कई बच्चों को मिड-डे मील पोर्टल पर भी अपडेट नहीं किया जा सका है। एक दूसरे पर थोप रहे लापरवाही- बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने बताया कि बीईओ को प्रत्येक खंड पर दो आधार कार्ड बनाने की मशीन दे दी गई। वहीं खंड शिक्षा की ओर से की जा रही लापरवाही का जिक्र करते हुए उन्होंने एडी बेसिक पर इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त न करने का दोष मढ़ा। बताया कि 15 दिन पहले पत्र लिखा था लेकिन अभी तक नोडल अधिकारी नियुक्त नहीं किया गया। वहीं एडी बेसिक बुद्धप्रिय सिंह ने बताया कि नोडल अधिकारी बनाने य देर से बनाने का कार्ड न बनाए जाने से कोई संबंध नहीं है। आधार कार्ड बीएसए के स्तर से बीईओ को बनाने है। नोडल केवल उनके किए कार्य को देखने और कार्य समय से पूरा कराने के लिए हैं। बीएसए यह बात कह अपने स्तर पर की गई लापरवाही को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर 98 किलो गांजा पकड़ा...कीमत 45 लाख, दिल्ली और बंगाल के चार तस्कर गिरफ्तार

मुरादाबाद- जीआरपी मुरादाबाद ने रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान गांजा तस्करी के मामले में चार तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में दिल्ली के तीन युवक और पश्चिम बंगाल की एक युवती शामिल है। आरोपियों ने बताया कि वह गांजा सस्ते दामों पर लाकर मुरादाबाद में ऊंचे दामों पर बेचते थे। जीआरपी मुरादाबाद ने रेलवे स्टेशन से चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 98 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसकी बाजार में कीमत करीब 45 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी दिल्ली और पश्चिम बंगाल से गांजा लाकर मुरादाबाद में महंगे दामों पर बेचते थे।चेकिंग के दौरान हुए गिरफ्तार 25 जुलाई की रात जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चार संदिग्धों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके बैगों में गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जीआरपी थाने लाया गया और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।गांजा तस्करी करने वाले आरोपी दिल्ली के गिरफ्तार आरोपियों में तीन युवक अजय कुमार (23), सोनू कुमार (22) और कपिल चंद (22) दिल्ली के किशनगढ़ बस्ती कुंज के रहने वाले हैं। चौथी आरोपी पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के नवाकगांव निवासी आधूरी राय (20) है। चारों गांजा लेकर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे और सप्लाई की तैयारी में थे। बैगों में भरा था गांजा- अजय कुमार के दो बैगों से 18.600 किलो और 17.600 किलो गांजा बरामद हुआ। सोनू कुमार के बैग से 21 किलो गांजा मिला। कपिल चंद के पास से 20.900 किलो गांजा, एक मोबाइल और 700 रुपये नकद बरामद हुए। आधूरी राय के बैग से 20.800 किलो गांजा और एक मोबाइल फोन मिला। कुल मिलाकर चारों के पास से 98 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में कबूला अपराध- पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह दूसरे राज्यों से गांजा लाकर मुरादाबाद में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचते हैं। इससे उन्हें अच्छा लाभ होता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। सभी को भेजा जेल- चारों आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी संबंधित थानों से जुटाई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस गिरोह की गिरफ्तारी से रेलवे स्टेशन क्षेत्र में नशे की तस्करी पर बड़ा अंकुश लगेगा।

मुरादाबाद में डबल मर्डर: युवक ने दो दोस्तों को चाकू से गोदकर मार डाला, शराब पीकर पैसों को लेकर हुआ विवाद

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र में शराब पीने के बाद पैसों को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने दो दोस्तों को चाकू से गोद दिया। इसमें दोनों की जान चली गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कटघर थाना क्षेत्र के गुलाबबाड़ी में सारिक ने अपने दोस्त शाहनवाज उर्फ बबलू और जुनैद की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शराब पीने के बाद दोनों के बीच रुपयों को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी सारिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।गलशहीद के असातलपुरा निवासी फईम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे उसके भाई शाहनवाज उर्फ बबलू को असातलपुरा के ही निवासी जुनैद और सारिक अपने साथ बुलाकर ले गए थे। गुलाबबाड़ी चुंगी पर शराब के ठेके पर शराब पीने के बाद सारिक ने शाहनवाज और जुनैद से रुपयों को लेकर विवाद किया।इसके बाद आरोपी ने शाहनवाज और जुनैद पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में शाहनवाज की मौके पर ही मौत जबकि जुनैद गंभीर रूप घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर शाहनवाज और जुनैद के परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जुनैद को जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां जुनैद (30) की भी मौत हो गई। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि सारिक के खिलाफ

संक्षिप्त समाचार

साधु-संतों की वेशभूषा में डाला अश्लील वीडियो... चर्चित यूट्यूबर गिरफ्तार

मुरादाबाद- थाना क्षेत्र में साधु-संतों की वेशभूषा पहनकर सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा व अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए वीडियो पोस्ट करने वाले यूट्यूबर आमिर के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। हिंदू संगठनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। नगर पंचायत पाकबड़ा के हाशमपुर चौराहे निवासी आमिर पुत्र शकील द्वारा टीआरटी नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो डाला गया था। इस वीडियो में वह साधु-संतों की तरह वेश धारण कर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करता दिखाई दिया। वायरल वीडियो से संगठनों में रोष फैल गया। भाजपा कार्यकर्ता अमन ठाकुर ने दो दिन पूर्व इस मामले को लेकर ट्वीट किया था। ट्वीट के बाद करणी सेना व बजरंग दल के कार्यकर्ता दीपक कश्यप, राजीव ठाकुर, राहुल कुमार और सचिन ने मिलकर थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि इससे धार्मिक सौहार्द बिगड़ सकता है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी आमिर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सरकारी स्कूल के शौचालय में कोबरा सांप दिखने से हड़कंप

मुरादाबाद- रामपुर- बारिश के मौसम में जगह-जगह सांप निकलने से लोग दहशत में हैं। शनिवार सुबह रामपुर के एक सरकारी स्कूल के शौचालय में कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। बच्चों ने शोल मचाना शुरू किया। किसी तरह सांप को निकाला गया। तब जाकर राहत की सांस ली गई। मामला रामपुर के प्राथमिक विद्यालय नवाबगंज शुमाली का है। जहां शनिवार सुबह बच्चे स्कूल पहुंचे तो शौचालय में बच्चों ने कोबरा देखा। सांप दिखते ही बच्चों की चीख निकल गई। बच्चों की चीखपुकार सुनकर स्कूल का स्टॉफ भी मौके की ओर दौड़ पड़ा। गांव के लोग भी शोर शराबा सुनकर स्कूल में आ गए। काफी मेहनत के बाद सांप को शौचालय से निकालकर जंगल की ओर भगा दिया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

पतंगबाजी पड़ी जान पर भारी...छत से गिरकर युवक की मौत

मुरादाबाद- नगर के युवक की उत्तराखंड के हल्द्वानी में छत से पतंग उड़ाते समय मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर के मोहल्ला भब्बलपुरी निवासी हामिद पुत्र जाहिद अली 30 उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित मलिक के बगीचे में किराये के मकान पर रहता था, गुरुवार को छत पर पतंग उडाने के लिए गया था। तभी अचानक पतंग उड़ाते समय संतुलन बिगड़ने के कारण वह छत से घर की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण बुरी तरह घायल हो गया था। अधिक खून बह जाने से युवक नें मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास के लोगों नें युवक के गिरने की जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले से परिवार को अवगत कराकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार वालों ने बताया कि हामिद हल्द्वानी में ऑटो रिक्शा चलाता था। मृतक की शादी दो साल पहले हुई थी। उसके एक लड़की भी है। हामिद के गिरने की खबर आई तो परिवार में कोहराम मच गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीडीपीओ अनीता चौधरी ने कार्यकत्री के माध्यम से कराया गर्भवती महिलाओं से वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत / शनिवार मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम खाग पुरवा में सीडीपीओ अनीता चौधरी ने कार्यकत्री विद्यावती और पुष्पा देवी के माध्यम से लगभग 20 गर्भवती महिलाओं से पौधा रोपण कराया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से समाज में एक अच्छा संदेश देकर लोगों को जागरूक किया की वृक्ष जीवन का अनमोल हिस्सा है वृक्षों के बिना इंसान का जीवन अधूरा है गर्भवती महिलाओं ने सहजन के पौधे लगाकर खुशियां जाहिर की। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में ष्ठह्लष्ट मीटिंग के द्वारा बताया गया की सहजन का पेड़ बहुत ही गुडकारी होता है इस पेड़ की गुणवत्ता की बहुत ही बड़ी शान है इसके अलावा इन पौधों को गर्भवती महिलाओं से लगवाने का निर्देश दिया जिसके माध्यम से 20 गर्भवती महिलाओं से पौधारोपण कराया गया पौधारोपण करने के दौरान शपथ दिलाई गई कि जिस तरह से महिलाएं अपने गर्भ में पल रहे बच्चों की सेवा और सुरक्षा करने की जिम्मेदारी लेते हैं ठीक उसी तरह से इन पौधों की भी सभी महिलाओं ने सुरक्षा और सेवा करने का आश्वासन देकर कहा कि इस पौधों की गर्भ में पल रहे बच्चों की तरह सेवा और सुरक्षा करेंगे। वृक्ष लगाने के दौरान सहजन की खूबियों को भी बताया उन्होंने कहा कि सहजन की पत्तियों को दाल, हरी सब्जी में धनिया की तरह डालकर प्रयोग करने से बहुत ही उपयोगी जड़ी बूटी की तरह कार्य करता है जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है सहजन की फलियां, पत्तियां, और फूल सभी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनमें विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट शामिल हैं। सहजन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे मधुमेह रोगियों के लिए यह फायदेमंद है जड़ी बूटी की भांति कार्य करता है। इसके अलावा सहजन में सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

न्यूरिया के गांव अलीगंज से कावड़ यात्रा पर जाने से पहले पूजा कराते पुजारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत / न्यूरिया के गांव अलीगंज से श्रवण मास के पावन वेला मे नगर कि गलियों और मंदिरो मे भोलेनाथ कि भक्ति कि गूंज सुनाई दे रही है शनिवार को पंच प्रयाग आश्रम से बम बम भोले के जयकारों के साथ 70से 80शिव भक्तो का जत्था डाक कावड़ से गंगा जल लेने कि यात्रा शुरू कि पंच प्रयाग आश्रम से विदा होते समय शिव भक्तो को सुभकामनाये देने के लिए भारी संख्या मे महिलाए और पुरुष इकट्ठे हुए

और बहिनो ने भक्तो को तिलक लगाकर मंगल यात्रा कि कामना कि पुजारी रोहित पाण्डेय ने बतया कि शिवभक्त कछला से गंगा जल लेकर सोमवार को बापस लौटेंगे और पंच प्रयाग आश्रम मे जलाभिषेक करेंगे कावड़ यात्रा मे प्रस्थान करने बाले शिव भक्त महंत तुलसी दास कपूरी महंत जानकी प्रसाद ओमप्रकाश भोले सुरेश भोले गुड्डू भोले अजय भोले ओपी भोले सूरज भोले राजीव भोले निहाल भोले दुर्गाप्रसाद भोले आदि साथ गए गांव के सभी गांव वासियो ने महा मे सभी शिव भक्तो को कछला से गंगा जल लाने कि शुभकामनायें दी

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

न्यूरिया के गांव मेवातपूर मे बघिन कि दहशत को लेकर चर्चा करते ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत / न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव मेवातपुर मे अभी भी जंगली जानवरो से डरे हुए है जबकि खुनी बघिन अभी दो दिन पहले गांव डंडिया से पकड़ी गयी है लेकिन उस बघिन से पकड़ने से गांव मेवातपुर के ग्रामीणों का नहीं निकला है डर गांव के ही किसान मुकेश को नो जून को बघिन ने अपना शिकार बनया था और उअके बाद गांव कि ही जगदेवी को बीस जुलाई को घ्याल किया था उसके बाद ग्रामीणों मे दहशत का महोल था लेकिन अब खुनी बघिन पकड़ी गयी है फिर भी खेतो पर जाने से डर रहे है ग्रामीण गांव के लोगो का कहना है कि हमारा गांव जंगल के करीव है और जंगल कि तार फेसिंग टूटी है किया पता कब कहाँ से कोई जंगली जानवर ने अजय इसी बजह से किसान अकेले खेत पर नहीं जा रहे है और गांव मे जंगली जानवरो का डर हर समय सताता रहता है खुनी बघिन के पकड़ने से कुछ हद तक ग्रामीणों ने राहत कि सास ली है लेकिन मेवातपुर के ग्रामीणों मे अभी भी दहशत का महोल देखने को मिला है

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद की पहल से इंटेल ने स्थापित की इंडिया एआई डाटा लैब

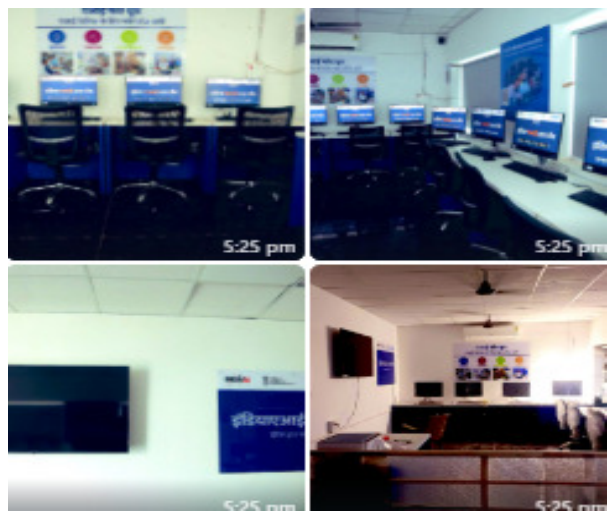

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / केंद्रीय राज्यमंत्री व स्थानीय सांसद जितिन प्रसाद की पहल व दूरदर्शिता के परिणाम स्वरूप जनपद में इंटेल द्वारा इंडिया आई डाटा लैब की स्थापना की। यह लैब स्थानीय लोगों को एआई कौशल से सक्षम बनाने और उन्हें अपनी विशिष्ट चुनौतियां के अनुरूप समाधान विकसित करने हेतु सशक्त बनाने की एक अग्रणी पहल है। कस्बा पूरनपुर के पकड़िया तिराहे पर इंटेल द्वारा एक स्थानीय सामुदायिक केंद्र में इंडिया एआई डाटा लैब स्थापित की। यहां बच्चों को साइबर अपराध से सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह लब संसाधनों और अवसरों तक महत्वपूर्ण पहुंच प्रदान करेगी। जिसमें युवाओं, महिलाओं, किसानों, छात्रों और उद्यमियों को उभरते तकनीक कौशल से सशक्त बनाना। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और शासन में जमीनी स्तर पर नवाचार को गति देना। ऐसी क्षमताएं निर्मित करना जो नागरिकों को एआई संचालित दुनिया में फलने-फूलने में सक्षम बनाएं। जिससें एक डिजिटल रूप में समावेशी और आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया जा सके। केंद्रीय राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद जितेंद्र प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ङ्क) पर इंटेल को इंडिया आई डाटा लैब के निर्माण में अमूल समर्थन और साझेदारी के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सभी के लिए एआई का संकल्प इस पहल के साझा मूल्य और सार्वजनिक निजी सहयोग की शक्ति का उदाहरण है। जिसमें गैर-तकनीकी दर्शकों को तकनीक का जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक कौशल, मानसिकता और उपकरणों से लैस करके एआई को मानव समुदायों के और करीब लाना है। नगर पालिकाध्यक्ष पूरनपुर शैलेंद्र गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद की पहल से इंडिया एआई डाटा लैब स्थापित की गई है। जिसमें स्थानीय युवाओं, छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा।जिससे पूरनपुर एआई और डिजिटल इंडिया की नई पहचान बनेगा।

हरियाली तीज पर मेहंदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, आराध्या गंगवार रहीं प्रथम

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिठौरा। नगर के पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में शनिवार को हरियाली तीज पर्व के मौके पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आराध्या गंगवार प्रथम, फराह ख़ानम द्वितीय, तनिष शंखधार तृतीय स्थान पर रहीं।सभी विजेता छात्राओं को प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने सम्मानित किया।इस दौरान शिक्षक राजेंद्र सक्सेना, दीपिका बनर्जी, प्रज्ञा गुप्ता, सुलभ अग्रवाल, यासीन, ममता शंखधार, शीतल साहू, रूबी गंगवार, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

बाल पुष्टाहार कार्यालय बना सेलिब्रेशन स्पॉट मनाई बर्थडे पार्टी, CDPO अनीता चौधरी बोलीं - हमने क्या गलत किया?

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / मरौरी ब्लॉक में स्थित बाल पुष्टाहार कार्यालय सेलिब्रेशन स्पॉट बन गया जहाँ बर्थडे पार्टी का आयोजन किया जा रहा हैं। सरकारी दफ्तर को गुब्बारों से सजाकर केक काटा जा रहा है और बाकायदा तोहफे भी दिए जा रहे हैं। आमतौर यहां पोषण और बाल विकास से जुड़ी योजनाओं पर कार्य किया जाता है।

बर्थडे पार्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही सीडीपीओ अनीता चौधरी सफाई देती हुई नजर आई। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व अपने बेटे का जन्मदिन घर पर मनाया था। और उसकी तस्वीरे सोशल मीडिया पर साझा की थी। जिसको देखकर बसंतापुर की आंगनवाड़ी कार्यकत्री ने मुझे बताया कि उसके माता-पिता होते तो वह भी अपना जन्मदिन इसी प्रकार मनाती। वह मुझे अपनी मां की तरह मानती है। इसलिए हम सभी ने इसका बर्थडे सेलिब्रेट किया। उन्होंने यह भी बताया कि हम तो हमेशा ही आंगनवाड़ी बहनों का जन्मदिन ऐसे ही मानते हैं। हमने क्या गलत किया? इसमें कुछ गलत नहीं हैं। वायरल हो रहे वीडियो में बाल पुष्टाहार कार्यालय किसी होटल या रेस्टोरेंट की तरह नजर आ रहा है। सरकारी कार्यालयों की मर्यादा और जनता के टैक्स के संचालित भवनों में निजी आयोजन कितने सही हैं, अब यह सवाल भी उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार इस कार्यालय में पहले भी चार बार आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं कर्मचारियों के जन्मदिन पार्टी का आयोजन किया गया है। सरकारी कार्यो के समय के बीच में इस प्रकार के निजी आयोजन सरकारी कार्यशैली और अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल सागुड़ी ने बताया कि ऐसा कोई भी मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। यदि ऐसा कुछ हुआ है तो जांच करके उचित विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति नगर पंचायत न्यूरिया हुसैनपुर में हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति नगर पंचयात न्यूरिया हुसैनपुर की बैठक मा0 नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि की अध्यक्षता में नगर पंचायत न्यूरिया हुसैन पुर के कार्यालय स्थित सभागार में आहूत की गयी। संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक द्वारा उपस्थित सभी वार्ड सभासदो का स्वागत किया गया। तत्पश्चात वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बैठक के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को योजनाओं से लाभान्वित किये जाने का कार्य किया जा रहा है साथ ही महिला कल्याण विभाग से संचालित योजनाओं के बारे में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना (सामन्य), निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल श्रम, बाल विवाह करने के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष की आयु की से कम की बलिका एवं 21 वर्ष की आयु से कम आयु के बालक का विवाह करना कानूनी अपराध है यदि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष की कम आयु के लड़के का विवाह हो रहा हो तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। मा0 अध्यक्ष महोदय द्वारा उपस्थित सभी वार्ड सभासदो को निर्देशित किया गया कि वह अपने कार्यों के साथ साथ नगर में जागरूकता कार्यक्रम कराएं जिससे सभी लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल सके। अन्त मे मा0 अध्यक्ष प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित सभी वार्ड मेंबर को आज की बैठक में धन्यवाद किया एवं कहा कि नगर पंचायत स्तर पर बच्चों एवं महिलाओं से सम्बंधित योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन करवाएं । बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई से सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कर्मा , एवं समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत ने गन्ना विकास परिषद बीसलपुर ईंट गांव एवं नबीनगर का किया भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / खुशी राम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत द्वारा आज गन्ना विकास परिषद बीसलपुर के ग्राम ईंट गॉव एवं नवगवां नवीनगर का भ्रमण किया स भ्रमण के दौरान ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन का निरिक्षण किया स जिला गन्ना अधिकारी द्वारा किसानो को बताया गया कि वर्तमान मे गन्ना किसानों को समिति की सदस्यता दिलाने हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

यह अभियान 30 सितम्बर 2025 तक चलेगा। इस अभियान मे सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति, गन्ना पर्वेक्षक, सभी चीनी मिलों के अधिकारियो एवं सहकारी गन्ना विकास समितियों के कर्मचारियों को लगाया गया है। सदस्य बनने के लिए किसानो को ऑनलाइन पंजीयन कराना होगा। यदि किसी किसान के पास एंड्राइड फोन नहीं है या कम पढ़ा लिखा है तो उसकी सहायता के लिए गन्ना विकास समितियों/चीनी मिलों पर किसान सहायता केंद्र स्थापित किये जायेगें। गन्ना समितियों के कर्मचारी किसान सहायता केंद्र पर किसानों का ऑनलाइन पंजीयन करेंगे।

सदस्य बनने के लिए किसानो को मात्र 21 रूपये शुल्क देना होगा। जनपद मे पीलीभीत, पूरनपुर, बीसलपुर एवं मझोला सहित चार सहकारी गन्ना समितियां है, चारो गन्ना विकास समितियों मे दस हजार से अधिक गन्ना किसानो को सदस्य बनाया जाना है। सदस्य बनने पर किसान अपना गन्ना चीनी मिलो मे आपूर्ति कर पाएंगे। जो किसान समिति के सदस्य नहीं बन पाते है उनको औने पौने दाम पर अपना गन्ना कोल्हू क्रेशर पर बेचना पड़ता है, लेकिन इस बार ऐसे सभी किसानो को समिति का सदस्य बनाया जायेगा।

जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत द्वारा बताया गया कि सभी समितियों, परिषदों एवं चीनी मिलों पर सदस्य बनाने हेतु किसान सहायता केंद्र स्थापित किये गए है। आज तक 427 गन्ना किसानो ने ऑनलाइन सदस्यता हेतु आवेदन किया जा चुका है, इसमें सबसे ज्यादा 345 किसानो ने पीलीभीत समिति मे आवेदन किया है। बीसलपुर समिति से 60 पूरनपुर समिति से 20 एवं मझोला समिति से 02 किसानो ने ऑनलाइन सदस्यता हेतु आवेदन किया है। इस अवसर पर मनोज साहू ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बीसलपुर, सचिव गन्ना समिति बीसलपुर, अवधेश कुमार मुख्य गन्ना अधिकारी बीसलपुर चीनी मिल, अमर नाथ दुबे गन्ना विकास निरीक्षक, मनोज कुमार, राजीव कुमार सर्किल प्रभारी, गन्ना किसान प्रभु दयाल, महेन्द्र पाल, बालक राम, हरनंदन, बुद्धसेन, कालीचरण व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बीसलपुर में की गई जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना बरखेड़ा एवं बीसलपुर में पहुंचकर जन शिकायतों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी द्वारा फरियादियों की शिकायतों का संज्ञान लिया गया। इसके साथ ही साथ आपसी विवादों संबंधी शिकायतों के संबंध में सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल व पुलिस कर्मचारियों द्वारा मौके पर जाकर समस्या के निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। आयोजित थाना दिवस में जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि थाना समाधान दिवस पर कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति के अनुपस्थित न रहे। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुवाई के दौरान आईं समस्त शिकायतों में सम्बन्धित क्षेत्र के राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समस्या का समाधान कराया जाये, किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अधिक समय तक लम्बित न रहे। जिलाधिकारी द्वारा थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुये कहा कि आईजीआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये। थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव, उप जिलाधिकारी बीसलपुर, थानाध्यक्ष, लेखपाल सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अतिक्रमण पर कस्बे के व्यापारियों ने एकत्र होकर किया हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम /न्यूरिया: नगर पंचायत को मुख्य चौराहा के पास अतिक्रमण हटाने के तहत दुकानों के आगे बने पक्के स्लैब को तोड़ने लगी। इसको लेकर कस्बे के व्यापारियों ने एकत्र होकर हंगामा करना शुरू कर दिया। व्यापारियों का कहना है कि यदि सिलिप तोड़ रहे है तब मार्ग के दोनों ओर सबकी टूटना चाहिए आज नगर पंचायत ने अतिक्रमण तोड़ना शुरू कर दिया ओर मार्ग के दोनों साइडो से अतिक्रमण हटाया जायगा नगर पंचायत के मुख्य चौराहे से बस स्टैंड मार्ग पर वर्तमान समय में दोनों ओर नालियों का निर्माण किया जा रहा है, जिस कारण अतिक्रमण हटाया जा रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि नगर पंचायत द्वारा सिर्फ चुनिंदा दुकानों पर ही कार्यवाही की जा रही है। अन्य जगहों पर अतिक्रमण को नजरअंदाज किया अतिक्रमण हटाने के दौरान भेदभाव करने का आरोप लगाते लोग जा रहा है। व्यापारियों का हंगामा बढ़ता देखकर न्यूरिया पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बाद में नगर पंचायत के अधिकारियों और व्यापारियों के बीच हुई वार्ता के बाद कार्रवाई के बाद अतिक्रमण को हटया गया अधिशाषी अधिकारी हरपाल गंगवार का बतया कि मार्ग के दोनों तरफ नाली बनेगी जिसका भी नाली पर सिलिप या अतिक्रमण आएगा उसे नियमनुसार हटया जयगा किसी के साथ कोई भी भेदभाव से कार्य नहीं किया जायगा अभी नहर मार्ग से रेलवे क्रसिंग तक का ही अतिक्रमण हटाया जयगा मार्ग पर अतिक्रमण आयी टीम मे नयाब तहसीलदार प्रखर सिंह बा कानूगो व लेखपाल व कस्बा प्रभारी पुलिस फ़ोर्स के साथ उपस्थित रहे ओर व्यापरी ने भी अतिक्रमण हटाने मे नगर पंचायत प्रशासन का सहयोग किया

710 दिन बाद मिला इंसाफ: रात एक बजे प्रेमी सलमान संग चंदा ने की थी पति की हत्या, चार साल का बेटा भी गया जेल

बड़े भाई इकबाल ने जावेद की हत्या में चंदा बेगम और सलमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया था। शुक्रवार को न्यायाधीश ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर दोनों को दोषी करार दिया। पति की हत्या में पत्नी और उसके प्रेमी को एडीजे अजय कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को उम्रकैद की सजा दी। कोर्ट ने दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। मां के साथ उसका चार वर्षीय बेटा भी जेल में रहेगा। फैसले के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।रात एक बजे की पति की हत्या- सकरावा थाना क्षेत्र के मोहल्ला पठान निवासी मजदूर जावेद खां की पत्नी चंदा बेगम का फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज के गांव गौसपुर निवासी सलमान के साथ प्रेम-प्रसंग था। प्रेमी से अवैध संबंध का विरोध करने पर 25 अगस्त 2023 की रात चंदा ने फोन कर प्रेमी सलमान को घर बुलाया। इसके बाद चंदा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रात करीब एक बजे पहले लाठी-डंडों से पीटा फिर कंबल से गला दबाकर दोनों ने जावेद खां की हत्या कर दी।भाई ने कराई थी भाभी और उसके प्रेमी पर एफआईआर- बड़े भाई इकबाल ने जावेद की हत्या में चंदा बेगम और सलमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया था। शुक्रवार को न्यायाधीश ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर दोनों को दोषी करार दिया। दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड अदा करने की सजा सुनाई। जावेद और चंदा के हैं चार बेटे शासकीय अधिवक्ता नवीन कुमार ने बताया कि मृतक जावेद के चार पुत्र रेहान, फैजान, अरमान और फरमान हैं। इसमें अरमान चार साल का है। इससे मां के साथ वह भी सात साल उम्र पूरी होने तक जेल में रहेगा। हत्या की घटना के बाद से ही दोनों जेल में निरुद्ध हैं।

खाद की तस्करी: लखीमपुर से नेपाल ले जाई जा रही थी भारत की यूरिया, एसएसबी ने वाहन पकड़ा, 50 बोरियां बरामद

जहां एक तरफ खाद न मिलने से किसान परेशान हैं, लेकिन दूसरी तरफ नेपाल में लखीमपुर खीरी से खाद की तस्करी की जा रही है। शनिवार को एसएसबी ने तिकुनिया के डांगा के पास पिकअप वाहन को पकड़ा, जिसमें यूरिया खाद की 50 बोरियां बरामद हुईं। लखीमपुर खीरी जिले में नेपाल सीमा पर यूरिया की 50 बोरियों से भरी एक पिकअप को एसएसबी के जवानों ने पकड़ लिया। यूरिया से संबंधित न तो कोई दस्तावेज मिले और न ही इसके बारे में चालक कुछ बता सका। खाद सहित पिकअप को सील कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जिले में पिछले दिनों से खाद का काफी संकट बना हुआ है। दूसरी तरफ नेपाल में जिले से खाद की तस्करी की जा रही है। शुक्रवार को एसएसबी ने तिकुनिया के डांगा के पास खाद से भरी एक पिकअप को पकड़ा, जिसमें यूरिया की बोरियां रखी गई थीं। एसएसबी ने कृषि विभाग के अफसरों को इसकी सूचना दी। अपर जिला सूचना अधिकारी डॉ. सत्यवीर सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच की। जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि यह खाद नेपाल जा रही थी। खाद किसकी है यह नहीं पता चल पाया है। पिकअप में चालक सहित चार अन्य लोग भी मौजूद थे, कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। खाद को तिकुनिया कोतवाली पुलिस ने कब्जे में लिया है। चालक सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। छह महीने से खाद के लिए तरस रहे किसान - निघासन में भारत-नेपाल सीमा पर बसे बेलापरसुआ आदि गांवों के किसान खाद के लिए पिछले छह महीनों से परेशान हैं। बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति पर यूरिया नदारद है। स्थिति यह है कि किसान निजी दुकानों से खाद खरीदने की कोशिश करते हैं, लेकिन सीमा क्षेत्र होने के कारण सुरक्षा जांच में उन्हें खासी परेशानी उठानी पड़ती है। जनवरी, 2025 में बेलापरसुआ समिति के लिए खाद लेकर जा रहे ट्रक को एसएसबी ने सीमा पर रोक कर सीज कर दिया था। जांच में समिति के लाइसेंस और जीएसटी दस्तावेजों में खामियां पाई गई थीं,

जिनका समाधान अब तक नहीं किया गया है। नतीजतन, समिति पर खाद की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। सहकारी विभाग के निबंधक रजनीश प्रताप सिंह ने बताया कि कृभको की 1029 मीट्रिक टन यूरिया की रैक प्राप्त हो चुकी है, लेकिन बेलापरसुआ को फिलहाल इससे बाहर रखा गया है। समिति के लाइसेंस और जीएसटी से जुड़ी दिक्कतों को जल्द सुलझाया जाएगा। बिजुआ में लग रही किसानों की लंबी कतार-बिजुआ क्षेत्र के कस्बा पड़रिया तुला में शु-वार को यूरिया वितरण केंद्रों पर सुबह से ही किसानों की लंबी कतारें देखी गईं। बी पैक्स साधन सहकारी समिति और प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र पर किसानों का जमावड़ा लगा रहा। बीते एक सप्ताह से खाद न मिलने के कारण किसानों में बेचैनी थी। बृहस्पतिवार को यूरिया खाद की नई खेप केंद्र पर पहुंचने की सूचना मिलते ही शुक्रवार तड़के से ही किसान पहुंचने लगे। आसपास के गांवों से भी किसान वितरण केंद्रों पर जुटे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पड़रिया तुला पुलिस चौकी की टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र में मशीन में आई दिक्कत के कारण कई किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसान प्रेम गुप्ता, कुलवंत सिंह, महेश, छोटे लाल समेत दर्जनों किसानों को निराश होकर खाली हाथ लौटना पड़ा।

टारगेट 2050...धर्मांतरण गिरोह पर बड़ा खुलासा, लोगों को इस्लाम से जोड़ना था मकसद; फलस्तीन से भी कनेक्शन

धर्मांतरण गिरोह ने अपना टारगेट भी तय कर रखा था। वर्ष 2050 तक देशभर में लोगों को इस्लाम से जोड़ना था। धर्मांतरण की शिकार युवतियों से पूछताछ में इसका खुलासा हुआ है।धर्मांतरण केस में बड़ा खुलासा हुआ है। धर्मांतरण गिरोह का वर्ष 2050 तक पूरे भारतवर्ष में इस्लाम को फैलाने का टारगेट था। इसको लेकर लगातार गिरोह कार्य कर रहा था। गिरोह के सदस्य डार्क वेब पर सक्रिय रहते थे। साथ ही अपनी बातचीत को गोपनीय रखने के लिए विभिन्न ऑनलाइन गेम्स का भी सहारा लेते थे। शनिवार को पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने प्रेस वार्ता में इसका खुलासा किया। साथ ही गिरोह से जुड़े अब 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि यह एक संगठित ग्रुप है, जो अब्दुल रहमान निवासी दिल्ली एवं आयशा निवासी गोवा के नेतृत्व में कार्य कर रहा था। अब्दुल रहमान फिरोजाबाद का रहने वाला था, जिसने 1990 में अपना धर्म परिवर्तन किया था। यह एटीएस द्वारा जेल भेजे गए कलीम सिद्दीकी का सबसे करीबी सहयोगी था।पुलिस के अनुसार धर्मांतरण की शिकार युवती ने पूछताछ में बताया कि जब वो कश्मीर में रहती थी तो उसके दोस्तों ने उसे दावाह के लिए बुलाया था। बताया कि 2050 तक पूरे भारतवर्ष में इस्लाम को हम लोग फैलाएंगे। पुलिस के अनुसार दावाह इस्लाम की एक प्रथा है, जिसमें इस्लाम को मानने वाले अन्य धर्म के लोगों को बौद्धिक विमर्श के लिए आमंत्रित किया जाता है। इनके बौद्धिक विमर्श के बाद अपने धर्म में इनको शामिल करते हैं। पुलिस के अनुसार जितनी भी लड़कियों और लड़कों का धर्मांतरण कराया गया, उन सभी ने बताया कि पहले उनके दोस्त दावाह के लिए बुलाते हैं। इसके बाद अपने धर्म की अच्छाइयां व दूसरे धर्म के प्रति नकारात्मक बातों को दिमाग में भरा जाता है। यदि किसी को अपने परिवार से कोई समस्या है तो परिवार के बारे में भी नकारात्मक बातें दिमाग में भरते हैं। जो लोग इस कार्य में शामिल हैं वो लोग थाना, न्यायालय, अस्पताल एवं बगीचे आदि जैसी जगहों पर सक्रिय रहते हैं। इन जगहों पर दुखी लोग ज्यादा जाते हैं। इन लोगों का दावाह के माध्यम से धर्मांतरण का प्रयास किया जाता है।इनकी हो चुकी है गिरफ्तारी 1. आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, गोवा 2. शेखर रॉय उर्फ अली हसन निवासी कोलकाता 3. ओसामा निवासी कोलकाता 4. रहमान कुरैशी, आगरा 5. अब्बू तालीब खालापार, मुजफ्फरनगर 6. अबुर रहमान, देहरादून 7. रित बानिक उर्फ इब्राहिम, कोलकाता 8. जुनैद कुरैशी, जयपुर 9. मुस्तफा (मनोज), दिल्ली 10. मोहम्मद अली जयपुर 11. अब्दुल रहमान निवासी मुस्तफाबाद, दिल्ली 12. जुनैद कुरैशी निवासी मुस्तफाबाद, दिल्ली 13. अब्दुल्ला निवासी मुस्तफाबाद, दिल्ली 14. अब्दुल रहीम निवासी मुस्तफाबाद दिल्ली पुलिस ने बताया कि धर्मांतरण कराने वाले अधिकांश लोगों का संबंध जांच के दौरान कश्मीर एवं पाकिस्तान में बैठे व्यक्तियों से सामने आया। धर्मांतरण की शिकार हुईं लड़कियों में से कई के संबंध कश्मीर की रहने वाली लड़कियों के साथ मिले। कश्मीर की लड़कियां इन्हें पाकिस्तान से चलने वाले ग्रुप में जोड़ने का काम करती थीं। पकड़े गए अभियुक्तों में से 11 को 10 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। इनसे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। पुलिस के अनुसार जितने भी आरोपी पकड़े गए, उनके संबंध आयशा और अब्दुल रहमान से थे। उत्तराखण्ड के देहरादून, उत्तर प्रदेश के बरेली, अलीगढ़, रायबरेली, हरियाणा के झज्जर व रोहतक की लड़कियों को बहकाकर धर्मांतरण कराया गया। पुलिस ने इन लड़कियों को गिरोह के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि रहमान कुरैशी के द्वारा क्राउड फंडिंग एवं क्रिप्टो करेंसी के साथ डॉलर से आदान-प्रदान फलस्तीन को भी किया गया है। धर्मांतरण गिरोह के तीन सदस्य डार्क वेब की जानकारी रखते हैं। इसके द्वारा अपने सदस्यों से बात करते है। इसका प्रयोग अपनी बातों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए किया जाता है। साथ ही धर्मांतरण के लिए लोगों को आकर्षित करने के लिए गिरोह ऑनलाइन गेम का भी सहारा लेता था। इन गेम के जरिए युवाओं को आकर्षित कर उन्हें धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जाता था।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा के द्वारा नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा निर्देशन में %ए% समवाय सोनपथरी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोघवा कला में एक दिवसीय नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. इमरान खान, पशु चिकित्सा अधिकारी, सोनवा के नेतृत्व में कुल 45 ग्रामीणों के 189 पशुओं का उपचार किया गया तथा उन्हें नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए एसएसबी के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में वाहिनी की पशु चिकित्सा टीम के मुख्य आरक्षी पशु चिकित्सा हंसराज चौधरी एवं आरक्षी/प.चि. सुधांशु कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। इस प्रकार के जनहितकारी कार्य एसएसबी की जनता के साथ सहयोगात्मक संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चक मार्ग पर कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती, विकासखंड हरिहरपुर रानी अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर कोठी के ग्रामीणों ने डीएम व एसडीएम के माध्यम से सूबे के मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेज कर सरकारी जमीन गाटा संख्या 78 चकमर्ग व कुमाहरी मिट्टी गाटा संख्या 77 सुरक्षित है से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि उपरोक्त जमीन पर अगल-बगल के लालजी दीवाल बनाकर अवैध तरीके से कब्जा किए हैं और कुमारी मिट्टी की निकासी नहीं हो पा रही है। जिस बाबत प्रार्थी ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र ऑनलाइन पोर्टल पर भेज कर कार्यवाही की मांग किया है। जिससे सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया जा सके।

सरकारी जमीन पर दबंगों का कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती थाना क्षेत्र हरदत्त नगर गिरंट के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुजानडीही के निवासी बिट्टा पत्नी रज्ब ने थाना दिवस में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव के निवासी रामनरेश पुत्र पंचम, प्रदीप पुत्र पंचम, बदलू पुत्र महादेव, ने अवैध रूप से घाटा संख्या 314 रक्बा 0,033 हे ग्राम सुजानडीह में जो खाद गड्ढा की जमीन है और कागजात में दर्ज है जिस पर अवैध रूप से दबंगई के बल पर पक्का मकान की दीवार खड़ा कर लिया है और पक्का मकान बनाना चाहते हैं इस संबंध में उप जिला अधिकारी जमुनहा ,जिला अधिकारी श्रावस्ती, मुख्यमंत्री शासन उत्तर प्रदेश लखनऊ, को प्रार्थना पत्र भेज कर सरकारी जमीन को कब्जा से मुक्त करने की मांग किया है।

थाना दिवस में प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती/ थाना दिवस में प्रार्थी ननकू प्रसाद वर्मा पुत्र मुन्ना दास वर्मा निवासी टिकुइया थाना मल्हीपुर का निवासी है । प्रार्थी दो सगे भाई है, जो दोनों भाई घर का बटवारा करना चाहा बटवारे में कुछ गाँव के सम्मानित ब्यक्तियो को दोनों भाइयों ने बटवारा कराने के लिए बुलवाया गया । सम्मानित ब्यक्तियो ने बटवारा करा दिया । दूसरे भाई गिरधारी पुत्र मुन्ना दास के हिस्से में नल आया । बटवारे के काफी दिन बीत जाने पर ननकू ने अपने भाई से नल हटाने को लेकर कहा लेकिन गिरधारी ने नल को हटाने से इंकार कर दिया । मामला न सुलझने पर थाना मल्हीपुर में प्रार्थना पत्र देकर नल हटवाने की मांग किया है।

स्कूल से लौट रहे छात्र को शराबियों ने मारे पीटे मुकदमा दज

क्यूँ न लिखूँ सच/ मऊआइमा (प्रयागराज)सोरांव थाना क्षेत्र ग्राम बर्जी नसरतपुर निवासी आफताब आलम पुत्र मोहम्मद युनुस का आरोप है

कि वह अपने पुत्र मोहम्मद अर्श को बाइक पर बैठा कर घर आ रहा था।

आरोप है कि मऊआइमा के ग्राम किरांव डिहवा के पास बाइक रोककर शराबियों ने मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई।

आफताब आलम का आरोप है कि पुलिस ने प्रवीण कुमार तथा दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कराटे एवं फिटनेस अकैडमी की ऐतिहासिक उपलब्धि

क्यूँ न लिखूँ सच/रमाशंकर तोमर/ पन्ना देवेंद्र नगर- पन्ना में दिनांक 24 एवं 25 जुलाई को आयोजित एसजीएफआई (School Games Federation of India) की जिला स्तरीय प्रतियोगिता

में देवेंद्रनगर स्थित आरोग्य कला एवं फिटनेस अकैडमी की प्रतिभाओं ने अनुशासन, परिश्रम और समर्पण की मिसाल कायम करते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की। अकैडमी के 22 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें से 21 प्रतिभागियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु हुआ है – जो न केवल अकैडमी, बल्कि संपूर्ण देवेंद्रनगर के लिए गौरव का विषय है। अकैडमी के जनरल सेक्रेटरी श्री विजय सिंह चौहान ने बताया कि यह सभी खिलाड़ी विगत वर्षों से निरंतर कठोर परिश्रम एवं प्रतिबद्धता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह सफलता बच्चों, प्रशिक्षकों और संस्था के साझा प्रयासों का सजीव प्रमाण है। इस प्रतियोगिता में सीनियर प्लेयर जितेंद्र विश्वकर्मा तथा वरिष्ठ कोच सिद्धांत सिंह चौहान, रुचि चौहान, पूनम बर्मन, तनिष्क बानो, हर्ष, महक परवीन एवं निशा सोनी ने निर्णायक मंडल की भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। * चयनित खिलाड़ियों की सूची- शोएब खान, सहजीब खान, निकिता प्रजापति, चाहत परवीन, अंजलि सोनकर, वरुण सिंह, सभा बेगम, मोहम्मद रेहान, हर्षित सोनी, समृद्धि जैन, शौर्य जैन, भूमिका लखेरा,दिवेश मिश्रा, राधिका मिश्रा ,अमन गुप्ता, संतोष तोमर, सौरभ तोमर,आयशा सोनी ,युवराज नामदेव, स्नेहा सोनी, कृष्णा जड़िया शामिल हुए।

6वॉ चरण अंतर्गत पशुपालकों के द्वारा निशुल्क खुरपका मुँहपका टीकाकरण हेतु सचल वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली विकास भवन शामली से आज मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी द्वारा दि0 25-07-2025 से प्रारम्भ होने वाले एफ0एम0डी0 सी0पी0 06वाँ चरण अन्तर्गत पशुपालकों के द्वार पर नि:शुल्क खुरपका- मुँहपका टीकाकरण हेतु सचल वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।डा0 चन्द्रभानु कश्यप, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी शामली ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने

अवगत कराया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम अन्तर्गत एफ0एम0डी0 टीकाकरण 06वॉ चरण दिनांक 25-07-2025 से 09-09-2025 तक (45 दिवसीय) अभियान चलेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत 371200 एफ0एम0डी0 की वैक्सीन प्राप्त हो गई है, विभागीय कर्मचारियों/अधिकारियों की 20 टीमे पशुपालकों के द्वार पर जाकर नि:शुल्क टीकाकरण करेगी। जनपद के सभी गोवंशीय व महिषवंशीय पशुओं का नि:शुल्क टीकाकरण पशुपालकों के द्वार पर (04 माह से कम आयु के पशुओं तथा 08 माह से अधिक गर्भित पशुओं को छोड़ते हुए) किया जाना है. ताकि पशुधन को खुरपका-मुँहपका बीमारी से बचाया जा सके। एफ0एम0डी0 टीकाकरण अभियान में पशुपालकों का सहयोग अपेक्षित है। सभी पशुपालकों से अपील है कि वह अपने पशुओं का टीकाकरण अभियान के अर्न्तगत नि:शुल्क करायें।किसी भी असुविधा की स्थिति में जनपदीय नोडल अधिकारी, डा0 मुन्नेन्द्र कुमार, पशु चिकित्साधिकारी- ज या अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें।

संक्षिप्त समाचार

31 जुलाई को होगा भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव 31 जुलाई 2025 दिन बृहस्पतिवार को श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री 1008 पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक का महोत्सव मनाया जायेगा। भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव में आस पास के प्रदेशो से काफी संख्या में श्रद्धालु अतिशय क्षेत्र पर पहुँचकर धर्म लाभ कमाते हैं। भगवान पार्श्वनाथ के मूल नायक वेदी पर 23 किलो का लडडू चढाया जायेगा। अतिशय क्षेत्र में निवार्ण महोत्सव की तैयारी जोरो पर चल रही हैं। मंदिर जी का प्रांगण रंग बिरंगी लाइटो से सजाने की तैयारिया चल रही हैं। समस्त कार्यक्रम की जानकारी क्षेत्र कमेटी के मंत्री श्री सुशील कुमार जैन ने दी।

जिला कांग्रेस कमेटी शामली द्वारा शहर शामली में कारगिल शहीदों के सम्मान में विजय दिवस मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली आज ज़िला कांग्रेस शामली द्वारा शहर शामली में कारगिल शहीदों के सम्मान में विजय दिवस मनाया गया । इस मौके पर शहीद वीर अब्दुल हमीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके बलिदान को याद किया गया । शहीदों को याद करते हुए जिला अध्यक्षों अख़लाक़ प्रधान ने भारतीय सैनिकों के गौरव और शौर्य को याद करते हुए शहीदों को पुष्पमाला चढ़ाकर नमन किया ।इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष अख़लाक़ प्रधान ,वरिष्ठ ज़िला उपाध्यक्ष डॉक्टर रामलाल सिंह कश्यप , ज़िला उपाध्यक्ष कंट्रोल रूम प्रभारी सन्नी गुप्ता , ज़िला महासचिव संदीप शर्मा , कारी जुलकान, मीडिया प्रभारी फ़रमान अंसारी, ज़िला सचिव बिलाल, साबिर, आलिम आदि लोग उपस्थित रहे ।

देईसांड से बानपुर लिंक रोड के दोनों किनारों पर कचरे का अंबार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राम कुमार यादव/ बस्ती । नगर पंचायत बनकटी के देईसांड से बानपुर तक जाने वाली लिंक रोड के दोनों किनारों पर कचरे का अंबार लगा हुआ है।

यह समस्या अब स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। सड़क के दोनों ओर लगातार कूड़ा-कचरा फेंका जा रहा है। इससे पूरे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि इस मार्ग से गुजरना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी दया शंकर चौधरी का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर पंचायत से सफाई की मांग की है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सड़क किनारे फेंका गया कचरा न केवल बदबू फैला रहा है। यह मच्छर, मक्खी और अन्य जीवाणुजनित बीमारियों को भी बढ़ावा दे रहा है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। देईसांड से बानपुर तक का यह मार्ग कई गांवों को जोड़ता है। रोजाना सैकड़ों लोग इस रास्ते से आवागमन करते हैं। राहगीरों और स्कूल जाने वाले बच्चों को बदबू और गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। इस मामले में जब अधिशासी अधिकारी रिचा सिंह से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस समस्या का निराकरण जल्द से जल्द करा दिया जाएगा।

नहर में नहीं पानी, किसानों का फूटा गुस्सा सुहेलदेव समाज पार्टी का उग्र प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राम कुमार यादव/ बस्ती । भानपुर तहसील क्षेत्र के महनुआ चौराहे के समीप पकड़ी रजवाहा माइनर पर सुहेलदेव समाज पार्टी ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया। पार्टी के पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष प्रमोद चौधरी की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ता नहर में उतर गए और नहर विभाग होश में आओ जैसे नारों के साथ जोरदार विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी किसानों ने आरोप लगाया कि नहरों पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद उनमें एक बूंद पानी नहीं है, जिससे खेती पूरी तरह से चौपट हो रही है।धरने में किसान नहर के भीतर खड़े होकर विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। उनका

कहना है कि जब तक पानी नहीं छोड़ा जाएगा, प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रमोद चौधरी ने कहा– ये सिर्फ नहर नहीं, हमारी रगों का पानी है। हम चुप नहीं बैठेंगे। गौरतलब है कि भाजपा सरकार के सहयोगी ओमप्रकाश राजभर की पार्टी के कार्यकर्ता भी अब धरना देने को मजबूर हैं, जिससे यह सवाल उठने लगा है कि जब सत्ता पक्ष के लोग ही सड़कों पर हैं, तो फिर प्रशासन किसकी सुन रहा है? प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सुबह से धरना चल रहा है, लेकिन अभी तक कोई सक्षम अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। प्रशासन की यह उदासीनता जल संकट से जूझते किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इन भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होगी या फिर सरकार किसानों की उम्मीदों को ऐसे ही बहता छोड़ देगी?

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने आज जिला संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने आज जिला संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर सर्वप्रथम पंजीकरण कक्ष और औषधि कक्ष पर जाकर मरीजों से वार्ता की गई और अस्पताल से मिल रही इलाज

संबंधी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई जिसमें मरीजों द्वारा इलाज समय से मिल रहा है की जानकारी दी। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा एनआरसी वार्ड का निरीक्षण किया मौके पर एनआरसी वार्ड में 06 बच्चे भर्ती थे। डीएम ने बच्चों के माता-पिता से बात करते हुए दी जा रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा पुरुष वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से बात कर उनका हाल जानते हुए बेहतर इलाज के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार, सीएमएस डॉ किशोर आहुजा आदि मौजूद रहें।

थाना नैनी पुलिस व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ थाना नैनी पुलिस व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार तथा कब्जे से नाजायज 110 ग्राम अल्प्राजोलम नशीला पाउडर बरामद। थाना नैनी व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा आज दिनाँक 26.07.2025 को मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त आजाद कुमार उर्फ मयंक पुत्र बसंत लाल निवासी चटकहना थाना औद्योगिक कमिश्नरेट प्रयागराज को बंधवा मोड़ पार्किंग के पास से गिरफ्तार किया गया, कब्जे से नाजायज 110 ग्राम अल्प्राजोलम नशीला पाउडर बरामद किया गया । नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है । घटना का संक्षिप्त विवरण - आज दिनांक 26.07.2025 को थाना नैनी व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा अभियुक्त आजाद कुमार उर्फ मयंक पुत्र बसंत लाल निवासी चटकहना थाना औद्योगिक कमिश्नरेट प्रयागराज उम्र करीब 20 वर्ष को बंधवा मोड़ पार्किंग के पास से गिरफ्तार किया गया, कब्जे से नाजायज 110 ग्राम अल्प्राजोलम नशीला पाउडर बरामद किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त आजाद कुमार उर्फ मयंक उपरोक्त के विरूद्ध थाना नैनी पर मु0अ0सं0 354/2025 धारा 8/22 NDPS Act पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण - 1. आजाद कुमार उर्फ मयंक पुत्र बसंत लाल निवासी चटकहना थाना औद्योगिक कमिश्नरेट प्रयागराज उम्र करीब 20 वर्ष । बरामदगी का विवरण-1. 110 ग्राम नाजायज अल्प्राजोलम नशीला पाउडर

मारा पीटा गया सात के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ मऊआइमा(प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरा खोजापुर निवासी अनुप कुमार भारतीय पुत्र राम मूरत भारतीय का आरोप है कि खेत की पैमाइश कर तहसील फूलपुर की राजस्व टीम ने उसके खेत में पत्थर नसब कर दिया था। जिसपर विपक्षियों ने पत्थर नसब तोड कर जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिए और मारे पीटे। पुलिस ने श्याम लाल, घनश्याम, श्री चन्द्र, सतीश चन्द्र पटेल,सूरज पाल,मोती लाल के खिलाफ मार पीट एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिवपुरी में पेट्रोल पंप, होटल और गैस एजेंसियों पर सघन जांच अभियान, अनियमितताओं पर जब्ती और प्रकरण दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर जिला खाद्य विभाग ने जिले भर में पेट्रोल पंप, होटल एवं गैस एजेंसियों पर सघन जांच अभियान चलाया। इस कार्रवाई में कई प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाए जाने पर जब्ती एवं कानूनी प्रकरण दर्ज किए गए।जांच दल में जिला आपूर्ति अधिकारी तुलेश्वर कुर्रे, नापतौल निरीक्षक आर.के. चतुर्वेदी, सहायक कर्मचारी नरेश यादव एवं अमित नीखरा शामिल रहे। नरवर तहसील के मेसर्स रघुवर दयाल किसान सेवा केन्द्र, सीहोर में जांच के दौरान कंपनी की ऑटोमेशन मशीन और टैंक स्टॉक में भारी अंतर पाया गया। इस पर कुल 1152 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया। मौके पर उपस्थित फर्म के मैनेजर कल्लाराम बघेल के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं, मेसर्स बजरंग फिलिंग स्टेशन, सीहोर की जांच में कोई अनियमितता नहीं पाई गई। इस दौरान प्रोपराइटर यशपाल सिंह परिहार एवं मैनेजर अजीत सिंह गुर्जर जांच के समय मौजूद रहे। इसी प्रकार, कमल भारत गैस एजेंसी (ग्रामीण मित्र) में उपभोक्ताओं से गैस रिफिल आपूर्ति में अतिरिक्त राशि वसूली की पुष्टि हुई। इस पर फर्म के मैनेजर बृजेश कुमार माहौर की उपस्थिति में प्रकरण दर्ज किया गया। जिला प्रशासन द्वारा की गई यह कार्रवाई उपभोक्ता हितों की सुरक्षा की दिशा में एक सख्त कदम मानी जा रही है। कलेक्टर ने आगे भी इस प्रकार की नियमित जांचों की चेतावनी दी है, जिससे उपभोक्ताओं के साथ किसी प्रकार का धोखा न हो।

Oats vs Muesli: Which is better for weight loss? Clear your confusion here

Nowadays people are paying attention to a healthy lifestyle and have become aware of losing weight. People who lose weight focus more on their diet. Both oats and muesli are good options for breakfast but people are often confused as to which one is more beneficial. Today people are aware of their fitness. They have started paying special attention to their diet. Both oats and muesli are considered beneficial. Nowadays people are paying more attention to a healthy lifestyle. People are becoming aware of weight loss. In such a situation, the biggest question is what to eat for breakfast which is tasty and also helps in losing weight. In such a situation, both oats and muesli are considered healthy breakfast options. But you must have noticed that people often get confused about which of these is more beneficial. Let us tell you that oats is a kind of whole grain, which is eaten by boiling or soaking. It has a high amount of fiber which keeps the stomach full for a long time. On the other hand, if we talk about muesli, then dry fruits, oats, seeds and sometimes honey or sugar are also added to it, which makes it taste good. If you are thinking of losing weight or want to start the day in a healthy way, then it is important to know which option will be more suitable for your body. Our article today is also on this topic. We are going to remove all your doubts in this article. Let's know in detail - Benefits of oats - Oats is a whole grain. People usually like to eat it cooked with milk. The fiber present in it keeps the stomach full for a long time. With this you can avoid overeating. You do not feel hungry again and again. Oats contain less fat and protein. It also controls blood sugar, so diabetes patients can also eat it. Benefits of Muesli- Muesli is a mixture in which oats, dry fruits, nuts, seeds and sometimes sweeteners (like honey or sugar) are added. People usually eat it with milk or curd. Fiber, healthy fat and vitamins are found in muesli. Eating it gives energy to the body. But if there is more sugar or preservatives in it, then it can also cause weight gain instead of reducing it. What is better for weight loss? If you are trying to lose weight, then oats can be a better option for you. It comes without any extra sugar or fat. You can also make masala oats as per your choice. You can add vegetables, spices or fruits to it. While choosing muesli, you should keep in mind that it should be without sugar or less sweet. What to choose for a healthy breakfast? - Let us tell you that both these things are healthy, but if you have less time and want taste too, then muesli is a good option. But if you want a simple, low calorie and healthy breakfast, then it would be better to choose oats.

From skin to heart, beetroot shows effect everywhere; include it in the diet in 6 ways

Beetroot is a superfood in which nutrients like manganese, potassium and vitamins are found. It plays an important role in increasing blood, cleaning the intestines, sharpening the brain and improving the skin. The antioxidants present in vitamin C helps in making collagen. Eating beetroot It is important to include it in the diet in the right way. that it is a superfood? It contains essential nutrients like A small beetroot can be beneficial in 10 major problems intestines, sharpens the brain, improves skin and controls benefits of beetroot The antioxidants and vitamins present help in removing all skin problems. The vitamin C present and soft. If there is a lack of hemoglobin in the body, then which helps in increasing blood. Beetroot is rich in vitamin immunity. The nitrates present in it increase blood flow to called betaine also protects from depression by improving system and helps in cleaning the stomach. Beetroot cancer. Research has found that its juice can prevent the anti-inflammatory properties present in it reduce liver beneficial for pregnant women. It not only prevents in the womb. It also prevents spina bifida, a disease related nitric oxide gas in the body, which dilates the veins and under control and reduces the risk of heart disease. The vitamin A present in it helps in improving eyesight. Beetroot is high in fibre and low in calories, which helps in weight loss. Nutrients present in beetroot Vitamin C: 6% Potassium: 8% Manganese: 14% Folate: 20% Fibre: 3.4 grams Carbohydrate: 6.7 grams Protein: 1.7 grams How to consume beetroot? Cut raw beetroot and eat it in salad Grate it and make pudding Mix it in flour and make beetroot roti Make beetroot sherbet sherbet and drink it Make beetroot curry with paneer Drink beetroot juice in the morning on an empty stomach

beetroot protect the skin from the rays of the sun and provides many health benefits. It keeps our heart healthy. Often people eat beetroot only as a salad, but do you know manganese, potassium, iron, folate, vitamin B6, C and A. of the body. It not only increases blood, but also cleans the blood pressure. Let's know about its great benefits-Best in beetroot protect the skin from the rays of the sun and in it helps in making collagen, which keeps the skin tight beetroot is an easy and effective remedy. It is rich in iron, C, which increases the body's ability to fight diseases i.e. the brain, which makes the brain sharp. Also, an element the mood. Being rich in fiber, beetroot cures the digestive contains an element called betanin, which helps fight growth of breast, stomach and intestinal cancer cells. The inflammation and keep it healthy. Beetroot is very anemia, but also helps in the good development of the baby to the spinal cord. The nitrate present in beetroot produces keeps the blood flow correct. This keeps blood pressure

Not only green tea, drinking green coffee also has many benefits, heart will remain healthy; weight will also be reduced rapidly

Green coffee is trending among fitness conscious people these days. It is helpful in reducing weight because it contains chlorogenic acid which helps in boosting metabolism. Green coffee should be drunk every morning on an empty stomach. This can give many benefits to your health. Green coffee is beneficial for health. One cup of green coffee should be drunk every morning. It keeps your heart healthy. In today's busy life, people are not able to take proper care of their health. Due to this, they are facing many problems. Obesity is increasing, along with this the risk of diabetes and heart diseases is also increasing. To avoid all these, it is important that your diet is right. Actually, whatever you eat and drink has a direct impact on your health. Many people drink green tea. This gives tremendous benefits to their health. These days, the trend of green coffee is being seen on social media. You must have heard its name on social media or in any health corner. It looks a little different from normal coffee, but now people are making it a part of their routine. The trend of drinking green coffee has been seen more among those who take care of their fitness. Unlike normal coffee, the taste of green coffee is mild. Many people also use it as a detox drink. People are including it in their morning routine. Let us tell you that it works to keep you healthy. Our article today is on this topic. We will tell you what are the benefits of drinking green coffee to your health. Let us know in detail - Beneficial in weight loss Let us tell you that an element called chlorogenic is found in green coffee. It works to boost metabolism. If you start drinking it, calories burn rapidly. Due to this, it becomes easy to lose weight. Beneficial in diabetes If you have diabetes, you can consume green coffee. Drinking green coffee keeps the blood sugar level under control. Also, the chlorogenic acid present in it increases insulin sensitivity. This reduces the risk of type 2 diabetes. Detoxifies the body - Drinking green coffee cleanses the body. It is helpful in detoxifying the body. Being rich in antioxidants, it works to improve skin, hair and overall health. Keeps the heart healthyAntioxidants are found in abundance in green coffee. By reducing inflammation, the work of blood vessels can be kept right. When the blood vessels are healthy, the risk of heart-related diseases will also be reduced. Keeps the brain healthy The antioxidants present in green coffee are helpful in keeping your brain healthy. This can reduce the risk of mental illness. You should drink a cup of green coffee every morning on an empty stomach.

The most rated crime thriller movie has come on OTT, every scene of 2 hours 12 minutes is full of mystery

New OTT Release Every week, films come on OTT from theaters. Recently another film has been released online a month after its release in theaters. The story of this film won the hearts of the audience so much that IMDb also gave it a rating above 7. Know about this. This crime thriller film was released in theaters. The film has got a good rating on IMDb. The film released on OTT after a month. Some films may fail to attract audiences in theaters, but due to being top rated, the audience who are unable to go to theaters, eagerly wait for its release on OTT. Now another top rated film has been released on OTT, after which it has started trending online. This film is the Tamil crime thriller movie Margan, which was released in theaters worldwide on 27 June 2025. The scenes of this low-budget film were full of suspense. The film was average at the box office, but its online streaming was being awaited for a long time. Now finally the movie has been released. Morgan has got top rating- Morgan, directed by Leo John Paul, is a story revolving around the investigation of a serial killer. Vijay Antony has played the lead role in the film. Also Ajay Dheeshan and P. Samuthirakani are in important roles. This 2 hour 12 minute film has got a rating of 7.8 from IMDb. Also, it was well received by the audience and critics. Where to watch Morgan movie on OTT? Now since the film has come down from theaters and by chance you have missed this film, then it doesn't matter. From today you can watch this film online. From 25 July 2025, this film is streaming on the OTT platform Amazon Prime Video. What is the story of Morgan movie? The story begins with a murder case that is exactly like the one committed with the daughter of police officer Dhruv (Vijay Antony). The investigation begins and as each layer is revealed, shocking secrets are revealed. You will be shocked to know who was behind this.

War 2 Trailer: Tremendous craze for Jr NTR amid release, fans celebrated in the sky

War 2 Trailer Hrithik Roshan's most awaited film War 2's trailer has been released today. Amidst the release of the film's trailer, there is a lot of excitement among the audience, especially among the fans of Junior NTR. Junior NTR's fans have celebrated it in the sky. War 2's trailer has been released today Junior NTR is making his Bollywood debut Directed by Ayan Mukherjee War 2 is the most anticipated film of this year. South superstar Junior NTR is making his debut with the film directed by Ayan Mukherjee. In such a situation, there is a lot of curiosity about the film not only among the Hindi audience but also among the South fans. Its craze is now being seen even abroad. War 2 is the sequel to the 2019 film War directed by Siddharth Anand. The first film featured Hrithik Roshan, Tiger Shroff and Vaani Kapoor in the lead roles. Now Kabir is back in the sequel. Junior NTR and Kiara Advani are in the lead roles in this YRF spy thriller. War 2's Dhamaal in Melbourne After a long wait on July 25, the trailer of War 2 finally came and fans got excited on social media after its release. Not only this, in Melbourne, the excitement about War 2 is so tremendous that fans are celebrating it in the sky. Many glimpses of this have surfaced on social media. It can be seen in the pictures and videos that Junior NTR and War 2 are written in the sky. Fans went crazy for Junior NTR - One post reads, "Mad Mad Mad. Sky level celebration of War 2. This time it will be different. Junior NTR's Bollywood debut in a grand way." One said that this is not just hype but a moment that will last forever. One called it crazy. Seeing such a tremendous craze among Junior NTR fans, it seems that this film will achieve tremendous success. War 2 is releasing in theaters on 14 August. This is a spy thriller movie in which Hrithik will play the role of an agent. At the same time, Junior NTR will be seen in the role of a villain.

AI tadka in classic films! New twist in climax becomes a topic of discussion

The climax of the classic film Raanjhanaa has been changed using AI. The film's director Anand L Rai has opposed this change. Eros International CEO Pradeep Dwivedi says that this step is part of the strategy to revive the regional market where played with in films Raanjhanaa's climax was changed. which came 12 years ago, was the story of Kundan Brahmin family who settled in Varanasi. After Jasjit (Abhay Kundan exposes his lie. Jasjit loses his life in that. Zoya himself for love. This climax had shocked the audience. Now (Artificial Intelligence). The new dubbed version of this film released in Tamil in 2013 as Ambikapathi. The rights of the The film's director Anand L Rai has strongly opposed the 'Raanjhanaa'. In this context, Pradeep Dwivedi, Group that the re-release of Raanjhanaa in Tamil Nadu is part of Nadu has a special connection with this film. Not only of the Tamil connection of the hero. Here AI has played a reinterpretation, not its replacement. Currently, there are Anand L Rai had said that AI is the future, but use it for

AI has played the role of an assistant in storytelling. AI is being Sholay's restored version was also shown. The film Raanjhanaa, (Dhanush) and Zoya (Sonam Kapoor), the son of a Tamil Deol) meets Zoya in college, both are about to get married, then holds Kundan responsible for this. In the end, Kundan sacrifices the ending of this film is being made happy with the help of AI will be released in Tamil Nadu on August 1. This Hindi film was film are with Eros International. AI's game with 'Raanjhanaa' AI-generated happy ending in the re-released version of CEO of the film's production company Eros International, says Eros International's strategy to revive the regional market. Tamil because of the brilliant acting of actor Dhanush, but also because helpful role in telling the story. The alternate ending is a creative no plans to release Raanjhanaa with an alternate ending in Hindi. the future, not to distort the past. Pradeep says in this regard that we are not distorting the film. AI can be a way to make the storytelling interesting. The charm of the original Raanjhanaa remains untouched. Restored version of Sholay - Recently, a restored version of Sholay was presented, in which Gabbar is killed. Film trade analyst Komal Nahata says that whether it is Sholay or Raanjhanaa, its five-seven minute climax cannot be changed and taken as a new film. Sholay is a landmark film, if new footage is seen then there will definitely be discussion, but it is unlikely that this will become a trend. Changes caused by AI are being considered a sign of danger for film production in the future. In this regard, film producer Deepak Mukut says that AI does not have emotions. We did not make any changes to the film Sanam Teri Kasam during its re-release. The result was good. If I make any changes to it, it will be wrong. It will seem that we did not do the right thing creatively at that time. Now we are changing it. I do not think that there is a need to bring things like AI in the films that we have already made and released. If you make a new film with the help of AI, then it will be called an AI film. I believe that presenting the end with a change is just an experiment. Housefull 5 was also released with two climaxes. The producer has the right to take decisions. The rest of the decisions will be taken by the public. At the same time, film exhibitor Akshay Rathi says that changes with AI can be an interesting experiment, but the audience comes back to watch the film because they liked it earlier too. Raanjhanaa was a hit. It is difficult to say how people will react to the new climax, but in a film which has cult value, the chances seem against it. AI should not be used arbitrarily - How will the use of AI affect cult films? In this context, Pradeep, Group CEO of Eros International, the production company of Raanjhanaa, says that like any tool, AI should be used responsibly and with a clear creative purpose. Eros does not support the arbitrary use of AI to change cinematic excellence. In the case of Raanjhanaa, it was a well-thought-out effort, which we have prepared for a specific audience. The widespread trend of AI remakes is not our stance. We believe in innovation and the purpose of storytelling. Things to watch - Recently, the restored version of Sholay was screened at the prestigious film festival in Italy with the original climax. In this, Gabbar (Amjad Khan) dies. However, when the film was released 50 years ago, the climax had to be changed on the instructions of the censor board and Gabbar's arrest was shown. On re-showing the endings of cult films with changes, trade analyst Komal Nahata says that it remains to be seen whether the audience will like the changed concept or not. If the audience accepts the changed climax, then it will be believed that the matter is solved by making changes through technology.